दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें:9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 109 मुरादाबाद, 07 August 2023 (Monday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने लॉन्च की अमृत भारत स्टेशन योजना, देश के 508 स्टेशनों का होगा नवीनीकरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना को ऑनलाइन लॉन्च किया। एक साथ देशभर के 508 स्टेशनों के नवीनीकरण वाली इस योजना के लिए स्टेशनों पर कार्यक्रम का आयोजन होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अमृत भारत स्टेशन योजना को लॉन्च किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूरे भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है। नई ऊर्जा, प्रेरणा, संकल्प है। भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। भारत के करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे और उनका पुनर्विकास आधुनिकता के साथ होगा उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश में करीब 4500 करोड़ रुपये के खर्च से 55 अमृत स्टेशन को विकिसत किया जाएगा। राजस्थान के भी 55 रेलवे स्टेशन अमृत रेलवे स्टेशन बनेंगे। उन्होंने रेल मंत्रालय की सराहना की और देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रेलवे में जितना काम हुआ है वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है। दुनिया में दक्षिण अफ्रीफा, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है उससे अधिक रेल ट्रैक हमारे देश में इन 9 वर्षों में बिछाए गए हैं। साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुल जितना रेल ट्रैक है उससे अधिक रेल ट्रैक भारत में अकेले पिछले साल बनाए हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि रेलवे में जिस तरह से काम हुआ है, किसी भी प्रधानमंत्री का मन करेगा कि इनका जिक्र 15 अगस्त को लाल किले से करे। जब 15 अगस्त सामने है तो मन बहुत लालायित होता है कि उसी दिन इसकी चर्चा करूं। आज यह इतना विराट आयोजन हो रहा है कि देशे के कोने-कोने से लोग जुड़ें हैं कि मैं अभी इस बात पर इतने विस्तार से चर्चा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारा जोर भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर है। 2030 तक भारत एक ऐसा देश होगा

जिसकी रेलवे नेट जीरो उत्सर्जन पर चलेगी। उन्होंने इस मौके पर कहा कि आज भी विपक्ष का एक धड़ा पूराने धरे पर चल रहा है। वह आज भी ना खुद कुछ करेंगे ना करने देंगे। सरकार ने संसद की नई इमारत बनवाई, कर्तव्य पथ का विकास किया लेकिन विपक्ष ने इसका भी विरोध किया। हमने वॉर मेमोरियल बनाया उसका भी विपक्ष ने विरोध किया। सरदार वल्लभ भाई के मुर्ती को लेकर विरोध किया। इनका (विपक्ष) एक भी नेता स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर नहीं गया। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के लिए अगस्त बहुत विशेष महीना होता है। ये महीना क्रांति का है, कृतज्ञता का है, कर्तव्य भावना का है उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी के अनुसार, विश्व के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेलवे नेटवर्क्स में से एक है, जो देश के हजारों शहरों और नगरों को परस्पर जोड़ते हुए लाखों लोगों को यातायात का एक महत्वपूर्ण साधन उपलब्ध कराता है। पिछले नौ वर्षों से भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चल रही है। इसके अंतर्गत आधारभूत ढांचे, तकनीक और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों की पुनर्सज्जा, नई रेलवे लाइनें बिछाने, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण और यात्रियों एवं परिसंपत्तियों की संरक्षा को बढ़ाने जैसी व्यापक गतिविधियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री जिन 508 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों के शुभारंभ के साथ पूरे भारत में 'अमृत भारत स्टेशन योजना' का उद्घाटन करेंगे, इनमें से 71 रेलवे स्टेशन उत्तर रेलवे जोन में हैं। इसे देखते हुए रेलवे ने दिल्ली कैंट, दिल्ली सब्जी मंडी और नरेला में कार्यक्रम का आयोजन करेगा। योजना का उद्देश्य स्टेशनों का सिटी सेंटरों के रूप में विकास शहर के दोनों छोरों का एकीकरण स्टेशन भवनों का सुधार व पुनर्विकास आधुनिक यात्री सुविधाओं का प्रावधान बेहतर यातायात व्यवस्था और इंटरमोडल इंटीग्रेशन मार्गदर्शन के लिए एक-समान और सहायक सूचक चिन्ह मास्टर प्लान में उचित संपत्ति विकास का प्रावधान लैंडस्केपिंग, स्थानीय कला और संस्कृति 24470 करोड़ होगी परियोजना की लागत प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में बताया कि इस पुनर्विकास परियोजना की लागत 24,470 करोड़ होगी और इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान होंगी। प्रधानमंत्री जिन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे, उनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 55-55, बिहार के 49, महाराष्ट्र के 44, पश्चिम बंगाल के 37, मध्य प्रदेश के 34, असम के 32, ओडिशा के 25, पंजाब के 22, गुजरात और तेलंगाना के 21-21, झारखंड के 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के 18-18, हरियाणा के 15 और कर्नाटक के 13 स्टेशन शामिल हैं।

विश्व स्तरीय सुविधाएं देना प्राथमिकता

पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते हैं और रेलवे लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व को प्राथमिकता दी है। इस दृष्टिकोण से 1,309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई। योजना के तहत पीएम मोदी 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखेंगे।?

सिटी सेंटर के रूप में होंगे विकसित

पीएमओ ने कहा, इसके तहत शहर के दोनों किनारों के समुचित एकीकरण के साथ इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण शहर के समग्र शहरी विकास के समग्र दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो रेलवे स्टेशन के आसपास केंद्रित है।

यूपी विधानसभा सत्र: मायावती बोलीं, सदन में जनता के मुद्दे रखे जाएं, विपक्ष भी सरकार को मजबूर करे

यूपी विधानसभा के सोमवार से शुरू हो रहे सत्र पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा है कि सरकार आम जनहित के जरूरी मुद्दे जैसे बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, शांति व्यवस्था और सुरक्षा की बदहाल स्थिति पर विशेष जिम्मेदारी का परिचय दे। इन्हें लेकर लोगों का जीवन त्रस्त व अस्त व्यस्त है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को ट्वीट कर यूपी विधानसभा सत्र में विपक्ष को तथ्यों के साथ मुद्दों पर बात करने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार को भी मुद्दों पर बोलने के लिए बाध्य करे। मायावती ने विपक्ष को भी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के वादों एवं दावों की याद दिलाए। सदन में

उत्तरदायित्व बनाने तथा इन्हें इधर-उधर की बजाय तथात्मक बातें ही सदन में रखने को विवश करे। नियमों के तहत इनको इन मुद्दों के लिए बाध्य करना जरूरी है। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधानमंडल सत्र को लेकर सभी दलों की बैठक बुलाई जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। इसके जरिये सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों अपने-अपने एजेंडे को धार देने की रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। मुख्य विपक्षी सपा के अलावा कांग्रेस व बसपा जहां टमाटर, छुट्टा पशु, महंगाई और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे, भाजपा भी विकास के मुद्दे पर केंद्रित रहते हुए पलटवार करने की पूरी तैयारी कर रही है।

'पूरे भारत में स्वतंत्रता का दमन किया गया', अनुच्छेद 370 रद्द करने को लेकर मोदी सरकार पर कांग्रेस का वार

सरकार ने शनिवार को कहा था कि अनुच्छेद 370 के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की राह पर है। इसी पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर में इतनी शांति है, तो सरकार ने महबूबा मुफ्ती को घर में नजरबंद क्यों कर दिया है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को सरकार पर पूरे भारत में स्वतंत्रता का दमन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार का कहना है कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर में शांति आई है। जबकि पूरे भारत में स्वतंत्रता का दमन किया गया है। इतना ही नहीं, सबसे गंभीर दमन केंद्र शासित प्रदेश में हुआ है।

सरकार बोली अनुच्छेद 370 के बाद विकास की राह पर जम्मू-कश्मीर

गौरतलब है, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने की वर्षगांठ के मौके पर सरकार ने शनिवार को इस बात पर प्रकाश डाला था कि इस ऐतिहासिक फैसले से जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की शुरुआत हुई है। उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में कहा था कि अनुच्छेद हटने के बाद सबसे बड़ा बदलाव यह है कि जम्मू-कश्मीर के आम लोग अपनी मर्जी के मुताबिक

जीवन जी रहे हैं।

कांग्रेस ने लगाया दमन का आरोप

इसी पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने कहा कि सरकार और जम्मू-कश्मीर के एलजी अनुच्छेद 37 के निरस्त होने के बाद राज्य (अब केंद्र शासित प्रदेश) में आई शांति का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने पूछा कि अगर जम्मू-कश्मीर में इतनी शांति है, तो सरकार ने महबूबा मुफ्ती को घर में नजरबंद क्यों कर दिया है? साथ ही पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यालयों को सील क्यों कर दिया गया है? उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे भारत में आजादी का दमन किया जा रहा है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में सबसे गंभीर दमन हुआ है।

शनिवार को थी चौथी वर्षगांठ

बता दें, भाजपा ने शनिवार को श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान अनुच्छेद 370 के निरस्त होने की चौथी वर्षगांठ मनाई। इस दौरान नेताओं ने कहा कि साल पांच अगस्त, 2019 के फैसले के बाद अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व स्थिरता का दौर है। तीन दशकों की उथल-पुथल के बाद क्षेत्र में जीवन सामान्य हो गया है। राज्य में लगातार प्रगति हो रही है। तीन वर्षों में स्कूल, कॉलेज और अन्य सार्वजनिक संस्थान कुशलता से काम कर रहे हैं। पत्थरबाजी अतीत की बात हो गई है। अब घाटी के लोगों को भी वह अधिकार प्राप्त हैं, जो देश के दूसरे प्रांतों के लोगों को हैं।

यह है मामला

5 अगस्त, 2019 को केंद्र ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर से विशेष दर्जा छीनने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने का निर्णय लिया था। अनुच्छेद 370 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं को 2019 में एक संविधान पीठ को भेजा गया था। केंद्र ने तर्क दिया था कि जिस ऐतिहासिक संवैधानिक कदम को चुनौती दी जा रही है उससे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास, प्रगति, सुरक्षा और स्थिरता आई है, जो पुराने अनुच्छेद 370 शासन के दौरान अक्सर नहीं थी।

ज्ञानवापी का खुला तहखाना तो चौंका हिंदू पक्ष, बोला- एएसआई को ऐसे कई और प्रमाण मिलेंगे

ज्ञानवापी परिसर में सुबह आठ बजे सर्वे शुरू हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच एएसआई की टीम पहुंची और मुख्य परिसर से गुंबद, व्यासजी के तहखाने व अन्य हिस्सों में जाकर जांच की है। तहखाने के सर्वे के दौरान कई अहम साक्ष्य जुटाए गए। ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे के तीसरे दिन हिंदू पक्ष की वादिनी महिला और अधिवक्ताओं ने दावा किया कि तहखाने में मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। अभी एएसआई को ऐसे कई और प्रमाण मिलेंगे, जिनके आधार पर वैज्ञानिक पद्धति से यह स्पष्ट हो जाएगा कि ज्ञानवापी का धार्मिक स्वरूप बदला

गया था।दूसरी तरफ, जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सर्वे व रिपोर्ट जमा करने से संबंधित एएसआई की अर्जी स्वीकार कर ली है। जिला जज की अदालत ने सर्वे रिपोर्ट दो सितंबर तक मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। एएसआई की तरफ से सर्वे व उसकी रिपोर्ट जमा करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया था। शनिवार के सर्वे में मुस्लिम पक्ष व उनके अधिवक्ता भी शामिल हुए।

मिट्टी, ईंट और पत्थर के नमूने भी लिए गए

ज्ञानवापी परिसर में शनिवार सुबह आठ बजे सर्वे शुरू हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच एएसआई की टीम पहुंची और मुख्य परिसर से गुंबद, व्यासजी के तहखाने व अन्य हिस्सों में जाकर जांच की है। तहखाने के सर्वे के दौरान कई अहम साक्ष्य जुटाए गए। मिट्टी, ईंट व पत्थर के नमूने भी लिए गए हैं। इसकी मदद से निर्माण का कालखंड व उसकी उम्र का पता लगाया जाएगा। शाम पांच बजे सर्वे खत्म हुआ तो हिंदू व मुस्लिम पक्ष के लोग परिसर से बाहर आए। हिंदू पक्ष की तरफ से वादिनी सीता साहू और अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने पत्रकारों से बात की और कहा कि एएसआई की टीम के साथ ज्ञानवापी के सील वजूखाने को छोड़कर शेष अन्य सभी हिस्सों में गए थे। नंदी के सामने व्यासजी के तहखाने में मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। तहखाने में स्वस्तिक और कलश जैसी आकृतियां भी दिखी हैं। ज्ञानवापी की पश्चिमी दीवार बगैर किसी सर्वे के गवाही दे रही है। बता रही है कि ज्ञानवापी हिंदू धर्म के प्राचीन शिव मंदिर का एक अभिन्न हिस्सा है। आईआईटी कानपुर की मदद लेगी एएसआई की टीम

संपादकीय Editorial

Even mountains of questions fall

Mountain architecture and protective engineering were again remembered in natural calamities. Taking cognizance of the PIL, the Hon'ble High Court has given notice to the Attorney General of the Government of India. The petitioner, Shyamkant Dharmadhikari, who has 45 years of engineering experience, had requested the court to take cognizance of the negligence and mistake of engineering on the mountains, accepting which the High Court has started hearing on the seriousness of the matter. The cutting of mountains, the length of underground tunnels and the surface excavated for bridges are alleged to have disregarded scientific methods. Needless to say that more or less all this is getting certified and getting mixed in the debris of the roads. The length and breadth of which the journey from Chandigarh to Manali and Shimla was increasing till yesterday, today it is stuck somewhere sad. The 40 meter portion of the Kalka-Shimla forelane is missing, so the Manali road has already become the story of its destruction. In such a situation, many mountains of questions are falling and this model of development has definitely been questioned somewhere. The notice of the High Court, indicating the national imperative of understanding the mountain, addresses the questions of the future. We went to give fourlane to Shimla, but somewhere in between the floors collapsed. As a result, the journey from Chandigarh to Shimla has become long and expensive or the state capital has to find new routes with the help of alternate routes.

Obviously, the potential of development emerges from its relevance, quality and capacity building. Four laning has been a necessary solution for Shimla for many reasons, but the scientific meaning of quality attached to capacity building on the mountain is necessarily a pledge. If we develop by ignoring the environmental challenges or forgetting the mountain conditions, then the threats will behave like bloodthirsty. The road to Shimla is fighting with the high mountains, while the Manali forelane is competing with the currents of the Beas river. In such a situation, the questions raised by an experienced engineer underline a lot. Here the competition is also with the speed of time and the behavior of the mountain. Union Surface Transport Minister Nitin Gadkari himself has inspected and found that some basic changes have to be made. The mountain can have its own style and presentation to suit the diverse dimensions of mountain development and future needs. In fact, the criteria of development and the national conditions of feasibility do not understand the priorities of the mountain. It is not just a matter of development, but of mountain development while protecting the hill environment. Development here is not a normal situation, but a commitment to save a lifestyle in the face of climatic adversities. According to this, even though two major four-lane projects of Himachal have been hurt, but it is time to recover after falling and accordingly there is a need to change the scales of the Center. Himachal's development has not lost here, but such a basis of national projects The one who has not yet refined the mountain in the compulsions of the mountainous region is the loser. It is a commitment to shape the future through innovation, research and study in mountain technology and international experience. Not only the roads of Himachal, but it is a challenge to pave the way forward by understanding modern construction and lifestyle and climate change. The court, with its method and arguments, is shedding light on the evidence that has led to the destruction of two major four-lane projects. Now the time is looking at the scope where an independent ministry will have to be formed in the central government .

Our message is that there should be brotherhood of man with man.

Today we have reached the moon, but still some people's thinking is stuck on Hindu-Muslim only. For the last four days, due to the spate of violence in Nuh and Gurgaon of Haryana bordering Delhi, today we have reached the moon, but still the thinking of some people is stuck on Hindu-Muslim only. For the last four days, the manner in which six people lost their lives in Nuh and Gurgaon of Haryana, bordering Delhi, on a minor issue, raises questions in itself. The Supreme Court has also commented strongly on that human conduct and said that no one should utter hate speech. There should also be no mention of violence in your words. Everyone knows what happened in Nuh, Mewat and till now FIRs are being registered there, arrests are being made. Rallies are being taken out in protest against this violence, somewhere Hanuman Chalisa is being read. Appeals are being made so that humans do not have to fight with humans. Temples or mosques should not be targeted. In any kind of riot, the loss is only to the common man. The observations of the Supreme Court should not only be welcomed but the states should follow up immediately. In today's date, in this Nuh, the people of Hindu and Muslim community are giving shelter to the people of each other community in their respective homes so that mutual harmony and communal love and brotherhood can be maintained. We are all one, this is the identity of Indianness. We may belong to any religion but we are Indians first, we have to work on this concept. My personal claim was the same before and today is the same stand that we should remember in public life, say such a speech, let your self-control be lost and you should be cool, that is, if you take this couplet of Kabir ji in your life, then somewhere in your life There will be no riots either. Kabir, Guru Nanakdev ji, Tulsidas ji etc. have also always talked about the sweetness of speech that as sweet as your speech is, it will never lead to disloyalty. It has also been said that where bullets don't work, they work there, that is, bullets cannot show their effect, but your tongue can show the effect like a bullet, so you should control your tongue. In the Nuh violence that is coming to the fore so far, inciting language, that is, language that creates hatred, was used by both the sides. Today, when everything has been destroyed by fire, now efforts are being made to extinguish the fire. I wish there was a fire. Why? Among those who died, two soldiers of Haryana Home Guard are also included, the remaining four must have been someone's son, father, son, brother-sister. Who instigates the rioters in the riots, why they instigate them and what is left after the devastation, these questions remain only the subject of discussion from channels to social media, but still the Nuh riots also presented the story of humanity. A Haji and a Muslim sarpanch Shaukat Ali saved the lives of more than a hundred children and teachers in Nuh's Gurukul. Shaukat Ali along with his team stood in front of the Gurukul and stopped the attacking mob from moving forward. He told the crowd that you will have to pass through our dead bodies. This is called true humanity. Although officially the administration is very strict and it is also being said that this fire went on spreading till Ballabhgarh and Palwal. The rioters were not controlled. We personally believe that the administration will have to show strictness in this matter. Politicians will also have to come out of their homes. The violence-affected people have their hopes only from the politicians. The way arson and violence took place in this small Nuh, Ballabhgarh or Palwal, the biggest loss is to those who are poor daily wage earners and go out in search of work. If hundreds of vehicles were set ablaze, then what else is. Our elders teach the civilized society that always remain calm, be patient and speak sweetly. In such a situation, the comments of the Supreme Court are very inspiring. Hate speech and violence should have no place in any civilized society. The states should give such severe punishment to the rioters that no one else needs to do such acts. Vehicles are bought by shedding blood and sweat. Those poor people who died in these riots, may God give strength to their families and appeal to the administration that proper compensation should be given to their families immediately. In the future, the security system should be strong and everyone should be safe and live and let live as our culture should continue. On the basis of this, we have an identity in the world. "Our message is that there should be brotherhood of man with man."

IIM Amendment Bill

The Indian Institute of Management Amendment Bill has been passed by a voice vote in the Lok Sabha. However, a heated debate has also erupted regarding this bill. During the brief discussion on this bill, the opposition raised several questions. The Indian Institute of Management Amendment Bill has been passed by a voice vote in the Lok Sabha. However, a heated debate has also erupted regarding this bill. During the brief discussion on this bill, the opposition raised several questions. Responding to the opposition's questions, Union Education Minister Dharmendra Pradhan, in his reply allaying the apprehensions of the opposition, made it clear that the government has no intention of interfering in the autonomy of the IIMs. The management responsibility of the institutions has now been handed over to the President and the academic responsibility will remain with the institutions. The President of India is already a visitor to all other top institutes including IITs, NITs and till date no question has been raised on this then it is meaningless to raise the question now. IIM has been declared as an Institute of Presidential Importance. The Bill as passed gives the President the power to not only appoint the chairperson of the Board of Governors of each IIM, but also to appoint and remove the directors of these institutions. The Board of Governors (BoG) is the topmost executive of the IIMs. It controls the functioning of the institutions. Apart from the Chairman, it consists of a nominee of the Central Government and a nominee of the concerned State Governments. Under the IIM Act 2017, the BoG had the power to appoint a person of eminence from industry, academia, science, technology, management, public administration or any other field as chairman. Now the Bill also gives the Visitor the final say in the appointment of the Director of IIMs. This is a major change as compared to the 2017 Act. However, the selection committee headed by the head of the BoG will still be there but in the amended bill the director will be appointed by the BoG after getting the permission of the visitor. In another major change, the amended Bill has removed Section 17 of the IIM Act, which gave the board the power to initiate an inquiry into the functioning of IIMs, if necessary. This inquiry will have to be conducted by a retired High Court judge, based on which the board will take a decision. The amended bill also gives the President of India the power to review the work of the IIMs and subsequently take action if necessary. The Bill reads, "The Visitor may appoint or order one or more persons to review the work and progress of any institution and to inquire into the affairs thereof and to report thereon." . Former directors associated with IIMs say that the amendment to the IIM Act is an alarm bell. This will jeopardize the autonomy of the institute. Academics say that so far the government has only taken into its hands the power to appoint the director and chairman. Tomorrow if more complaints about the functioning of the board go to the government, more amendments will be made in it, which will jeopardize the independence of the institute. The other aspect is that the autonomy of the institutes is always like a double edged sword. Autonomy without accountability sometimes leads to careless decisions. BoG does not discuss the falling ranking of institutions. What is the use of such autonomy when no steps are taken to improve the institutions. If management skills and IIMs can go in a corrective direction if they appoint directors with administrative experience. The government says that under the IIM Act in 2017, the central government empowered the institutes to award degrees for various courses. Because till then these institutes were only Only diploma and certificate courses could be offered." However, in the last four years the local Board of Management found that the IIMs did not comply with several constitutional obligations such as providing reservation for backward classes while appointing teachers. There is no doubt that the amendments are certainly major changes in which the Board responsibility has been fixed. The government intends to reform the management of institutions to make the revision board directly accountable to stakeholders including the government. It is expected that all the work will be done in coordination and the quality of the institutions will improve.

Broadband in villages, economy of agriculture will have to be looked at afresh

Strengthening the rural economy should therefore be on the priority list of our policy makers as the majority of India's population still resides in villages. Business activities are also expected to get boosted by connecting villages with broadband. This will naturally increase the GST collection and the whole country will also get its benefit. It is good that the Union Cabinet has approved Rs 1.3 lakh crore to connect 6.4 lakh villages with broadband. It should be hoped that now it will be much easier to put this whole plan on the ground. At present, broadband internet service has reached about two lakh villages. If this plan can be implemented properly in time, then India's rural area will definitely be included in the digital revolution. Since this is the era of digital era, this scheme has full potential to strengthen the rural economy. Strengthening the rural economy should therefore be on the priority list of our policy makers, as the majority of India's population is still living in villages. resides. Business activities are also expected to get boosted by connecting villages with broadband. This will naturally increase the GST collection and the whole country will also benefit from it, but along with this the government will also have to see how the rural economy takes a more institutionalized form. This is also necessary because the tax base is not increasing in proportion to the growth in the country's economy. As far as the villages are concerned, the digital reach of the people is increasing along with the means of income. And the area of business activities is also expanding, but whether it is about GST collection or income tax, overall the rural economy is running on the old pattern. It is true that the average farmer is not resourceful and his income is also limited, but it does not mean that there are no people in rural areas who do not earn well. The irony is that the very rich and high income farmers in rural areas are also out of the tax net. It is high time that it should be considered that those who have substantial income and are able to pay tax, should be brought under the purview of income tax. It is also necessary to do this for the own happiness and betterment of the villages. The government has made efforts at many levels to make the villages self-sufficient, but their significance is only when the entire structure of the rural economy is strong and transparent. If the government is looking at the initiative of connecting all villages with broadband as an important aspect of economic development, then it should take a fresh look at the economics of agriculture, especially the system of taxation.

फिरौती के लिए अगवा किया गया बच्चा बरामद, मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

मुरादाबाद। 10 लाख रुपए की फिरौती के लिए अगवा छात्र को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने 12 घंटे में सकुशल बरामद किया। मुठभेड़ में गोली लगने से दारोगा व दो बदमाश घायल हो गए हैं।दोनों बदमाशों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हेमराज मीणा ने रविवार को बताया कि शनिवार की शाम मझौला थाना क्षेत्र के बुद्धिविहार कालोनी से शनिवार शाम फिरौती के लिए अगवा किए गए निजी टेलीकॉम कंपनी में कार्यरत टेक्नीशियन नवनीत गुप्ता के सात वर्षीय बेटे वैदिक गुप्ता को 12 घंटे में सकुशल बरामद कर दोनों अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बुद्धिविहार कालोनी के सेक्टर 09-बी निवासी नवनीत गुप्ता के बेटे वैदिक गुप्ता (07)का घर के बाहर साइकिल चलाने के दौरान लगभग छह बजकर तीस मिनट पर कार सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। अपहरण के लगभग एक घंटे बाद वैदिक गुप्ता के पिता नवनीत गुप्ता के फोन पर अनजान नंबर से काल आई थी जिसमें चालीस लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। वैदिक गुप्ता मुरादाबाद स्थित आर्यसं इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा दो का छात्र है। सीसीटीवी फुटेज की छानबीन की गई तो पता चला कि सफेद रंग की वैगन-आर कार में सवार बदमाश वैदिक का अपहरण कर फरार हो गए। अपहरण की सूचना मिलने पर पुलिस छात्र की सकुशल बरामदगी में जुट गई। पुलिस टीम को रविवार लगभग छह बजे बदमाशों की लोकेशन बिलारी क्षेत्र में मिली। पुलिस टीम ने कार को चारों ओर से घेर लिया तो आनन-फानन में अपहरणकर्ता कार से उतर उतर कर जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस के ललकारने पर बदमाशों की ओर से फायरिंग होने पर पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में घायल दोनों बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। और बच्चे को भी सकुशल बरामद कर लिया। गिरफ्तार अपहरणकर्ताओं में शामिल 35 वर्षीय शशांक मेहता उर्फ विक्की मेहता निवासी नवीन नगर, मानसरोवर स्कूल सिविल लाइंस जनपद मुरादाबाद, जबकि उसका दूसरा साथी 22 वर्षीय अंकुश शर्मा जोकि वैदिक का पड़ोसी है, विक्की मेहता मझौला थाना क्षेत्र लाइनपार मुरादाबाद का निवासी है। मुठभेड़ में घायल दरोगा अनुज कुमार थाना बिलारी समेत दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। अपहरणकर्ताओं ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि पड़ोस में रहने वाले नवनीत गुप्ता से उनकी अच्छी तरह जान पहचान है। पैसों की जरूरत को पूरा करने की गरज से उनके बेटे वैदिक का अपहरण कर 40 लाख रुपए की फिरौती वसूलने की साज़िश रची थी लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उनकी सारी प्लानिंग पर पानी फेर दिया और पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक वैगन-आर कार यूपी -21 सीएन 2464 नंबर प्लेट लगी। दो देशी तमंचे 315 बोर खोखा कारतूस तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा द्वारा पुलिस टीम को 25 हजार रुपए का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की है।

आखिर ध्यानचंद और गावस्कर कैसे बनेंगे माटी के लाल, नहीं मिल रहें पर्याप्त संसाधन

मुरादाबाद-महानगर के युवा खिलाड़ियों को संसाधनों की कमी की मार झेलनी पड़ रही है। यहां खेल विभाग की ओर से इन्हें पर्याप्त साधन अभ्यास के लिए उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी के खिलाड़ी अपनी खरीदी हुई गेंद से अभ्यास कर रहे हैं। मगर खेल विभाग के जिम्मेदारों ने इसे देख कर भी अनदेखा कर रखा है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए स्मार्ट सिटी के तहर 5.4 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मगर यहां खिलाड़ियों की मिलने वाली सुविधा में अभाव देखने को मिल रहा है। वैसे तो स्मार्ट सिटी का काम मई महीने में पूरा होने था। लेकिन, यह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। जिस वजह से बैंडमिंटन, बाक्सिंग रिंग, हैंडबाल मैदान और जिम की सुविधा खिलाड़ियों की नहीं मिल रही है। वहीं अन्य खेलों के खिलाड़ियों को भी खुद अपने पैसे खर्च कर अभ्यास करने के सामान खरीदने पड़ रहे हैं। क्रिकेट खिलाड़ी ऋषभ मलिक, सचिन आदि ने बताया कि यहां खिलाड़ी अभ्यास के लिए खुद अपनी गेंद खरीदकर लाते हैं। सम्पन घर के खिलाड़ी तो अच्छी गेंद खरीद कर अभ्यास करते हैं। मगर सामान्य परिवार के खिलाड़ी पूरी खराब गेंद से अभ्यास करते हैं। कुछ ऐसे ही हालत फुटबॉल, हॉकी खिलाड़ियों के साथ हो रहा है। यह खिलाड़ी भी खुद के पैसों से गेंद कर अभ्यास कर रहे हैं। यह हालात स्टेडियम के जिम्मेदार अधिकारियों के सामने हैं।

खिलाड़ी जिलाधिकारी से लगा चुकें हैं गुहार

मुरादाबाद, अमृत विचार= स्टेडियम में अभ्यास करने वाले एथलिट ने पिछले दिनों जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर उन्हें ज्ञापन सौंपा था। जिसमें स्टेडियम जिम्मेदारों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। तर्क दिया कि स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों से अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। बताया कि स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे काम से मैदान में हैंडबॉल मैदान का निर्माण हो रहा है। बाक्सिंग रिंग समेत अन्य काम हो रहा है। जिससे खिलाड़ी को अभ्यास के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्टेडियम की ओर से सभी खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए सामान उपलब्ध कराया जा रहा है। अगर फिर भी किसी खिलाड़ी को सामान नहीं मिल रहा है, तो इसकी जांच कराई जाएगी। - प्रेम कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लक्ष्मण सिंह के घर तांगे से आए थे गांधी जी

मुरादाबाद-स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लक्ष्मण सिंह निर्भीक व निडर थे। अंग्रेजों को देखते ही वह‘ ’भारत माता की जय, वंदे मातरम’’ के नारे लगाने लगते थे। वह परिवार में सबसे बड़े थे और इनके छोटे भाई रूप सिंह थे, जो खेती-किसानी देखते थे। उनकी पत्नी धर्मवती अब काफी बुजुर्ग हो चली हैं। वह बताती हैं कि आजादी के आंदोलन के दौर में पति लक्ष्मण सिंह के साथियों को भी खाना बनाकर खिलाती थीं। उस समय उन सभी की जिंदगी का एक ही मकसद आजादी था। धर्मवती बताती हैं कि परिवार में कई गाय -भैंस पाली जाती थीं। घर में खूब दूध होता था। वह आंदोलनकारियों को भोजन संग दूध भी देती थीं। बताया कि एक समय उनके घर तांगे से महात्मा गांधी आए थे। वह सुबह के समय आए और शाम को वापस चले गए थे। धर्मवती ने बताया कि गांधी जी के कहने पर उन्होंने उन्हें भोजन में मूंग की दाल-रोटी खिलाई थी और दूध दिया था। गांधी जी के पास चरखा था, जिससे उन्होंने धर्मवती को सूत कातकर खादी के कपड़े बनाना सिखाया था। इसके

बाद से वह खुद के सूत से बने कपड़े पहनने लगी थीं। धर्मवती ने बताया कि चरखे से सूत कातना और कपड़े बुनना उन्हें आज भी आता है। गांधी जी ने उन्हें भयभीत न होने और सत्य बोलने की सीख दी थी। धर्मवती ने बताया कि उन दिनों लोग अंग्रेजों के विरुद्ध पूरे-पूरे दिन आंदोलन करने में ही व्यस्त रहते थे। इसी लगन में उनके पति लक्ष्मण सिंह कई-कई दिन घर नहीं आते थे। दो या तीन दिन बाद कहीं घर आकर भोजन करते थे। पुलिस भी पीछे पड़ी रहती थी। धर्मवती ने बताया कि आजादी के आंदोलन में उनके पति लक्ष्मण सिंह तीन महीने जेल में रहे थे। काली राम शास्त्री लक्ष्मण सिंह से सबसे निकट के दोस्त थे।

बिलारी के सफीलपुर में था मूल निवास

धर्मवती ने बताया कि पति लक्ष्मण सिंह की मौत के बाद चारों बेटियों की जिम्मेदारी उनके सिर आ गई थी। इनके बेटे नहीं थे, चार बेटियां ही हैं। बेटियों पूनम, कुसुम, सुमन व ललितेश का विवाह करना था। उनके पास धनाभाव भी था। बिलारी के सफीलपुर में उनका मूल निवास था। गांव की संपत्ति को बेचकर बेटियों के विवाह कर दिए। वर्तमान में वह चंदौसी में अपनी बड़ी बेटी पूनम के पास किराए वाले घर में रहती हैं। पूनम का पति जगदीश दुकान करते हैं। अब धर्मवती बिलारी में रहना चाहती हैं वहां उनकी एक बेटी रहती है। बताया कि उनकी दवा मुरादाबाद से ही चलती है, उन्हें नसों में दिक्कत रहती है। बताया कि उन्हें पेंशन के 15,000 रुपये मिलते हैं।

35 साल पहले पति की हो गई थी मौत

धर्मवती ने बताया कि अब उनकी आयु 90 साल से अधिक है। उनके पति लक्ष्मण सिंह की मृत्यु 35 साल पहले हो गई थी। उन्होंने बताया कि उनकी दवा में उन्हें कोई छूट नहीं मिलती है। बताया, आजादी के दौर में कांशीराम कॉलोनी में किराए पर ही रहती थीं। पति की मौत के बाद उन्हें तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बेटियों के विवाह में भी किसी की कोई मदद नहीं मिली। वैसे जब आजादी के आंदोलन का दौर था तो लोगों में एकजुटता दिखती थी। सभी लोग एक दूसरे की मदद करते थे लेकिन, अब वैसा दौर कहां है?

प्रदेश सचिव चौधरी असलम मियां ने राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बरेली द्व आज जिला बरेली में 6 अगस्त को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव चौधरी असलम मियां के 766 बानखाना स्थित निवास पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष राज्यसभा सांसद विश्व प्रसिद्ध शायर इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन केक काटकर बड़ी धूमधाम और जश्न के साथ मनाया। और उनकी दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को केक काटकर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के महासचिव हसनैन अंसारी ने कहा कि जहां जहां अल्पसंख्यकों, दलितों पिछड़ों, मजलूमों पर जुल्म और ज्यादती की जा रही है वहां वहां इमरान प्रतापगढ़ी जी

ने जाकर उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए आवाज को बुलंद किया है जिस तरह भाजपा के शासनकाल में आमजन पर जुल्म हो रहे हैं ऐसे में बहुत आवश्यक है कि हम सब एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें और इमरान प्रतापगढ़ी जैसे नेताओं के हाथों को मजबूत करें!इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सचिव चौधरी असलम मियां ने कहा कि आज जिस तरह से भाजपा की सरकारों में लगातार खुलेआम दंगे हो रहे हैं उसके लिए कोई और नहीं खुद भाजपा की सरकारें है और सरकार के मुखिया जिम्मेदार हैं आम नागरिकों को गुमराह करके उनकी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर भाजपा नेता और उनसे जुड़े संगठनों द्वारा देश को कमजोर करने का घिनौना काम किया जा रहा है इसलिए हम सबको राष्ट्रहित में संविधान की रक्षा हेतु आपसी भाईचारा कायम करते हुए हर जगह मोहब्बत की दुकाने खोलना है और आम आदमी के अधिकार के लिए संघर्ष करना है तभी भारत का बेहतर निर्माण हो सकेगा!और यह देश तरक्की करते हुए में दिखाई देगा। जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश बख्शी टोनू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह राहुल गांधी जी के पक्ष में फैसला दिया है उससे साबित हो गया कि भाजपा सरकारें अब जनता और विपक्ष पर ज्यादा दिनों तक जुल्म नहीं कर सकेंगी! इस अवसर पर प्रमुख रूप से कांग्रेस सेवादल के सचिव मोहम्मद हसन, सभासद सादिक अंसारी, जिला कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद गद्दी, पूर्व उपाध्यक्ष महानगर कांग्रेस नरेन्द्र मोहन सक्सेना, पिछड़ा वर्ग विभाग के महानगर अध्यक्ष पुत्तू लाल मौर्या, सय्यद मुजाहिद, महामंत्री उल्फत सिंह कठेरिया,अली,नवी अहमद अंसारी, निराले अंसारी, उपाध्यक्ष जगपाल सिंह यादव, सोनू शर्मा,आदि उपस्थित रहे!

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ग्रामीण बाइक लेकर घुस गया था कांवड़ के पास, उसी से नाराज होकर कांवड़िए हो गए थे आक्रोषित

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एटा में कांवड़ खंडित करने की झूठी सूचना को लेकर कावड़ियों ने ग्रामीणों की जमकर की मारपीट और किया जमकर तांडव,आक्रोशित कावड़ियों ने मारपीट के बाद बाइक को रोड पर डाल कर लगाई आग, जलती हुई बाइक को लाठी डंडों से किया क्षति ग्रस्त, एक ग्रामीण बाइक लेकर घुस गया था कांवड़ के पास, उसी से नाराज होकर कांवड़िए हो गए थे आक्रोषित, कांवड़ खंडित की झूठी अफवाह मिलने पर आक्रोशित कावडिये भारी संख्या में मरगोजिया गांव पर हो गए थे एकत्रित, कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव अमरगोजिया आगरा रोड़ पर काफी देर तक लगा रहा जाम, सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एटा डीएम अंकित कुमार अग्रवाल और एटा एसएसपी राजेश कुमार सिंह,आक्रोशित कांवड़ियो को समझाकर किया रवाना, एटा डीएम अंकित कुमार अग्रवाल और एटा एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने दोषियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के दिए आदेश, मौके पर पहुंची पुलिस कांवड़ियों के तांडव

को देख बनी रही मूकदर्शक, कांवड़ियों द्वारा रोड जाम करने की सूचना पर दौड़े एटा डीएम और एसएसपी घटना स्थल पर, एटा के थाना देहात कोतवाली क्षेत्र के मरगोजिया गांव पर कांवड़ियों से विवाद का मामला।

कावंडियों से उत्पात करने वाले लोगों पर होगी सख्त कार्यवाही - डी.एम.

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत एटा-आगरा मार्ग पर ग्राम अमरगोजिया के समीप स्थानीय ग्रामीणों एवं कावड़ियों के साथ आपसी प्रकरण संज्ञान में आने पर जिला मजिस्ट्रेट अंकित कुमार अग्रवाल, एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने प्रशासन एवं पुलिस के अन्य अधिकारियों तथा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर निरीक्षण किया एवं

कावड़ियों से वार्ता कर उन्हें हरसंभव सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

डीएम, एसएसपी ने कावड़ियों को आश्वस्त किया गया कि इस प्रकरण में जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ अभियोग पंजीकृत करके सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एकता सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने आज निशुल्क हेल्थ कैंप लगाया

क्यूँ न लिखूँ सच
शशिकांत शर्मा

शाहजहांपुर - आप लोगों की जानकारी के लिए बतादे! कि एकता सोशल वेलफेयर सोसाइटी का उद्देश्य सेवा,शिक्षा और स्वास्थ्य है* जिसके चलते एकता सोसाइटी की तरफ से आज स्वास्थ्य को लेकर मदराखेल पुरानी रेलवे लाइन के पास न्यू इंडिया मैरेज लान में फ्री हेल्थ कैम्प लगाया गया। इस स्वाथ शिविर में भाजपा महानगर अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता ,यूथ उपाध्यक्ष राजकमल भाजपेई ,भाजपा महानगर आईटी सेल से सरोज गुप्ता भी पहुँची! एकता टीम ने आए हुए सभी मेहमानों को माला पहनाकर सम्मानित किया ! एकता के नि:शुल्क हेल्थ

कैम्प में सुबह 10 बजे से मरीज आना शुरू हो गय और 2=00 बजे तक 204 मरीज़ों के रजिस्ट्रेशन किए गए,सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मरीज़ों को नि:शुल्क देखा गया ! इस कैंप में रेड क्लिफ़ पैथोलॉजी लैब लगाने वाले इमरान भाई की तरफ़ से मरीजों के खून की निशुल्क जांच की गई। एकता स्वाथ शिविर में जर्नल फिजीशियन डॉक्टर शाहनवाज,नस व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ फ़रहान,डॉ जीशान खान,फार्मासिस्ट तैयाब अपनी टीम के साथ मौजूद रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास का शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक श्री राजेंद्र शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बहुत ही रेलवे का विकास के क्षेत्र में कायाकल्प योजना का भूमि पूजन प्रधानमंत्री जी के द्वारा कर कमलों के द्वारा वर्चुअल के माध्यम से हो रहा है हम सब का सौभाग्य है इसमें रीवा को भी शामिल किया गया है जब से मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं तो उन्होंने गरीबों के लिए पक्के मकान बन जाए उज्जवला गैस योजना हो जाए करोना जैसी महामारी में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिए जिससे कि उनकी रोजी-रोटी समाप्त हो गई है उससे उनके परिवार को भोजन की समस्या ना आए आयुष्मान

कार्ड योजना बनवाई जिसमें कि गरीबों का इलाज हो सके मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अब वह जमाना आ गया है कि हमारे रीवा से 16 ट्रेन चल रही हैं जिस तरह से ट्रेन सतना से गुजरती है इस तरह ट्रेन रीवा से गुजरेगी इस अवसर पर अगर मोदी जी को धन्यवाद दिया जाए तो वह हम कम समझते हैं वह काम होगा 720 करोड रुपए रेलवे के लिए स्वीकृत किया गया है रीवा सांसद श्री जनार्दन मिश्रा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रीवा का रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म अभी 3 फुट और ऊपर उठेगा रेलवे का दरवाजा मुंबई कोलकाता के अनुसार बनने जा रहा है ?71 करोड़ का काम किया जाना है

सिंगरौली गोलीकांड युवा कांग्रेस ने माजन मोड़ पर विधायक पुत्र गोली कांड को लेकर जमकर किया हंगामा और विरोध प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- विधायक के पुत्र द्वारा सरेआम आदिवासी के ऊपर गोली चलाई गई और सबसे बड़ी बात जो है विधायक पुत्र द्वारा यह पहली घटना नहीं है कई बार घटना हो चुकी है भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी लताड़ लताड़ का कर मारा गया है तब भी कोई कार्यवाही पुलिस प्रशासन के द्वारा नहीं की गई है एक महिला नर्स के साथ अस्पताल में खुलेआम बदतमीजी की गई वीडियो वायरल हुआ तब भी पुलिस प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं की विधायक पुत्र के द्वारा एक व्यक्ति के घर में घुसकर मारपीट किया गया उसके वाहन को भी तोड़ा गया फिर भी सिंगरौली पुलिस प्रशासन

विधायक राम लल्लू के इशारे पर मौन रही विधायक पुत्र के द्वारा सिंगरौली मोरवा के लोग दहशत में रहते हैं सिंगरौली का यह माहौल है विधायक पुत्र को पुलिस के द्वारा अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है जबकि उसने एक आदिवासी के ऊपर सरेआम गोली चलाई अभी सोशल मीडिया के द्वारा सोची समझी साजिश के तहत अपने पुत्र को सह देते हुए विधायक द्वारा वीडियो जारी किया गया और बताया गया कि पुत्र से कोई संबंध नहीं है दूर रहता है

नेत्र रोग शिविर 341 नेत्र रोगियों का हुआ नि:शुल्क परीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-सहकारिता राज्य मंत्री के जन्म दिवस के मौके पर कालीबाड़ी में लगाया गया निशुल्क नेत्र जांच शिविर युवा लोधी सभा एवं वेदांता हॉस्पिटल की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष में काली मंदिर परिसर में लगाया गया। जिसमें आंखों की किसी भी समस्या का मुफ्त इलाज वेदांता हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा करने का आश्वासन दिया गया। मुख्य डॉक्टर सुमित कुमार ने अपनी टीम के साथ शिविर में आए आई-फ्लू या अन्य लोगों से ग्रसित रोगियों की जांच कर उन्हें निशुल्क

दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में कुल 341 लोगों ने दवा के साथ माता की दुआ भी ली। शिविर का शुभारंभ महापौर उमेश गौतम ने फीता काट कर किया।इस मौके पर श्री गौतम ने कहा आम जन को स्वास्थ्य लाभ के लिए लगाया गया

स्वास्थ्य शिविर बहुत ही प्रशंसा का पात्र है। इस समय आई फ्लू फैल रहा है । डॉक्टर सुमित कुमार को बधाई जिन के मन में ऐसा सुन्दर भाव जगा और उन्होंने शिविर के माध्यम से जांच कर उन्हें दवाएं दीं। आगे भी ऐसे कार्य करते रहना चाहिए।महापौर ने लोधी सभा के युवा अध्यक्ष गौरव राजपूत के कार्यों की भी जमकर प्रशंसा की ।इस मौके पर अध्यक्ष गौरव राजपूत के नेतृत्व में जिला व महानगर के कार्यकर्ताओं ने भी मां काली से बीएल वर्मा के दीर्घायु एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की और लड्डुओं का भोग लगाकर मिठाई वितरण किया। इस मौके पर पुजारी बृजेश गौड़, पार्षद हरिशंकर लोधी ,प्रभु दयाल लोधी, रूपकिशोर लोधी, दीपक राजपूत राधे रमन लोधी सहित तमाम गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आई फ्लू को लेकर घबरायें नहीं, सतर्क रहें-जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती - जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने बताया है कि आईफ्लू को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। सतर्क रहकर आंखों के संक्रमण से खुद को बचा सकते हैं। आई फ्लू को पिंक आई या कंजक्टिवाइटिस भी कहा जाता है, जो कि बारिश के मौसम में होने वाली एक आँखों की समस्या है। आई फ्लू आंखों के सफेद हिस्से में संक्रमण हो जाता है। आई फ्लू के ज्यादातर मामले सर्दी-खांसी वाले वायरस की वजह से बढ़ते हैं। बरसात में फंगल इन्फेक्शन समेत हवा में प्रदूषण वातावरण में नमी जैसी समस्यायें बढ़ जाती है। जिसकी वजह से आंखों से जुड़ी परेशानियां होने लगती है।जिलाधिकारी ने बताया कि बारिश के गंदे पानी में नहाने या फिर लंबे समय तक पसीने में काम करने से आंखों में इंफेक्शन की समस्या हो जाती है। इसके अलावा आई फ्लू से पीड़ित लोगों के साथ हाथ मिलाने और गंदे हाथों से आंखो को छूने एवं पीड़ित

व्यक्ति के कपड़े प्रयोग करने से आई फ्लू होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होने आई फ्लू से प्रभावित लोगों को विषेश सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आईफ्लू की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आते हैं। सभी स्कूल कालेज भी सतर्क रहें। यदि किसी बच्चे को आंखों का संक्रमण है। तो उसे अवकाश प्रदान करें। स्वस्थ्य बच्चों से उससे दूर बैठाएं।उन्होने बताया कि आई फ्लू के सामान्यतः लक्षण जैसे-आंखें लाल होकर सूजन आना, आंखों में सफेद रंग का कीचड़ दिखाई देना, आंखों से लगातार पानी आना, खुजली, दर्द और गड़न महसूस होना, पलकों पर सूजन होना, आंखों में आस-पास की त्वचा में सफेद या लाल दाग होना, धुंधला नजर आना, पलकें आपस में चिपकना तथा तेज रोषनी खराब लगना आदि लक्षण हो सकते है। इसके लिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, जैसे-हाथो को नियमित अंतराल पर साबुन से जरूर धोएं, आंखों को छूने से पहले व बाद हाथ धोने से संक्रमण का खतरा कम रहता है। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर रखे हाथ बिल्कुल न मिलाएँ आंखो में जलन होने और लाल होने पर स्वच्छ पानी से धोएं, गन्दे हाथ आंखो के पास न ले जाएं, आंखों को खुजाएं नही, आंखो पर चश्मा जरूर लगाएं। अपनी निजी संसाधनो जैसे-तौलिया, तकिया, आई कास्मेटिक्स (आंखों के मेक-अप) आदि को, किसी से साझा न करें। अपने रूमाल, तकिये के कवर, तौलिये आदि चीजों को रोज धोएं, टीवी या मोबाइल देखने से बचें। उन्होने बताया कि आई फ्लू होने पर अपनी आंखों को गुनगुने पानी से साफ करें, आंखों को साफ करने के लिए किसी साफ और सूती कपड़े का प्रयोग करें, आई फ्लू के लक्षण दिखते ही तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

साहित्य परिषद बरेली की नवीन जनपदीय कार्यकारिणी गठित,डॉ. मौर्य जिलाध्यक्ष और राजीव मन्त्री बने

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-अखिल भारतीय साहित्य परिषद ,बरेली के तत्वावधान में स्थानीय गंगाचरण अस्पताल के सिटी ऑफिस में डॉ. शशि वाला राठी के संयोजन में एक बैठक का आयोजन किया गया । संस्था के संरक्षक डॉ. एन. एल. शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की ।

प्रान्तीय अध्यक्ष साहित्य भूषण सुरेश बाबू मिश्रा ने जनपदीय कार्यकारिणी की घोषणा की । डॉ. एस.पी. मौर्य को जनपदीय अध्यक्ष तथा राजीव श्रीवास्तव को जनपदीय मन्त्री बनाया गया।उमेश चन्द्र गुप्ता , कवि कमल सक्सेना तथा सत्येंद्र बरेलवी को बरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया । निर्भय सक्सेना, रामपाल सिंह,गुरविंदर सिंह एवं मोहन चंद्र पांडे को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। गीतकार उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट , डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, गोविंद दीक्षित को संयुक्त मंत्री बनाया गया ।

कोषाध्यक्ष निरुपमा अग्रवाल को मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा एवं रंगकर्मी पप्पू वर्मा को संगठन मन्त्री मनोनीत किया गया। नवीन पदाधिकारियों को प्रान्तीय पदाधिकारी डा. एन. एल. शर्मा ,सुरेश बाबू मिश्रा ,डॉ. शशि बाला राठी, राजवीर सिंह, रोहित राकेश तथा डॉ. स्वाति गुप्ता ने मनोनयन पत्र प्रदान किए।

विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- साबन के पवित्र महीने में जहाँ लोग दूर दूर से कांवर लेकर जल अभिषेक को आ रहे हैं बहीं दूसरी ओर जगह जगह भण्डारे आयोजन किये जा रहे हैं रविवार को ही बदायूं रोड स्थित तिरमूर्ति बारात घर में सुबह से ही भोले के आशीर्वाद से भक्तों ने शाम तक प्रसाद ग्रहण कर किया, भंडारे का आयोजन राहुल

गुप्ता, मोहित गुप्ता, राजकुमार सक्सेना, छोटेलाल कारीगर मोनू कश्यप, विवेक आदि परिवारीजनों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया ।।

एकपक्षीय कार्यवाई कर पक्षपात कर रही थाना पुलिस, योगी राज में भी पीड़ित को नही मिल पा रहा न्याय

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एकपक्षीय कार्यवाई कर पक्षपात कर रही थाना पुलिस, योगी राज में भी पीड़ित को नही मिल पा रहा न्याय एसएसपी और सीओ जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवेहलना करती कोतबाली देहात एटा । जनपद पुलिस मुखिया के आदेशों की अनदेखी किस तरह की जाती हैं यह तो नगला इमलिया के दो पक्षों में हुये फसाद मामले में पुलिस की एकपक्षीय कार्यवाई और सर्किल के सीओ के साथ स्वयं जनपद पुलिस मुखिया के आदेशों के बाद भी थाना पुलिस द्वारा कार्यवाई न किये जाने से प्रतीत होता हैं । स्थिति कुछ ऐसी बताई जाती हैं कि थाना पुलिस की मनमानी और एकपक्षीय कार्यवाई से आहत फसाद में जख्मी पीड़ित फरियादी न्याय के लिये फुटबॉल बने हुये हैं, बाबजूद देहात पुलिस का दिल नहीं पसीज रहा ।

पीड़ित परिजनों की माने तो उसने सर्किल के सीओ और जनपद पुलिस मुखिया के दरबार में न्याय की गुहार लगाई तो जाँच कर आवश्यक कार्यवाई के आदेश दिये गये, लेकिन सहाब के आदेशों के बाद भी थाना पुलिस के न तो कानों पर जूँ रेंगी और न कोई सकारात्मक कदम उठाया । अब अधिकारियों के आदेशों के बाद भी थाना पुलिस द्वारा कार्यवाई न किया जाना थाना पुलिस की किस भूमिका को प्रदर्शित करता हैं

इसका आंकलन स्वतः किया जा सकता हैं ।

गलत आख्या देने पर लेखपाल को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- अलीगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम अंकित कुमार अग्रवाल ने डीएम ने जन शिकायत निस्तारण में लापरवाही, गलत आख्या प्रस्तुत करने पर देवतरा, झकरई में तैनात लेखपाल ओमवीर सिंह को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि निर्गत कर तत्काल प्रभाव से वेतन रोकने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शिकायतों का त्वरित निस्तारण और फरियादियों की संतुष्टि सरकार के प्राथमिकताओं में शामिल है। वरासत, भूमि विवाद, अवैध कब्जे, अतिक्रमण की शिकायतों पर निर्देश दिए ऐसे प्रकरण में राजस्व निरीक्षक, लेखपाल तथा पुलिस कर्मियों को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण कराकर नियमानुसार निस्तारण किया जाए। जनसामान्य को बार-बार न दौड़ना पड़े। वरासत में यदि किसी का नाम गलत हो तो उसे सुधारकर ही खतौनी दी जाए। इस दौरान एसएसपी राजेश कुमार सिंह, सीडीओ डॉ. एके बाजपेई, एसडीएम वेद प्रिय आर्य, तहसीलदार राकेश कुमार, कृषि अधिकारी मनवीर सिंह, डीएसओ कमलेश गुप्ता, बीएसए दिनेश कुमार, डीपीआरओ के के सिंह, प्रभारी डीपीओ संजय सिंह सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी, थाना प्रभारी मौजूद रहे। तहसील सदर में 51 में चार का मौके पर निस्तारण एटा। तहसील एटा सदर में एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी, एसडीएम सदर भावना ने तहसील स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में जन समस्याओं को सुना। इस दौरान प्राप्त 51 प्रार्थनापत्र में से 4 का मौके पर निस्तारण किया गया।

लखमीपुर व ग्राम पवास में जनपदीय पुलिस द्वारा किया गया फ्लैग मार्च, स्थानीय लोगों को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम लखमीपुर व ग्राम पवास में जनपदीय पुलिस द्वारा किया गया फ्लैग मार्च, स्थानीय लोगों को दिलाया सुरक्षा का भरोसा। थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम पवास व लखमीपुर में माह मई में हुई गौकशी की घटना से संबंधित अभियुक्तों को जनपदीय पुलिस द्वारा जेल भेजा गया है,

शनिवार दिनांक 05.08.2023 को उक्त घटना से संबंधित कुछ अभियुक्तों की जमानत होने की अफवाह फैल गई जिससे पवास और लखमीपुर के ग्रामीणों में भय का माहौल उत्पन्न हो गया, इस अफवाह की जानकारी जब जनपदीय पुलिस को हुई तो जनपदीय पुलिस द्वारा एसएसपी एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन, एएसपी एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा व एएसपी क्राइम एटा श्री विनोद कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री विक्रांत द्विवेदी के नेतृत्व में ग्राम पवास व ग्राम लखमीपुर में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया साथ ही स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए अफवाह का खण्डन कर उन्हें सुरक्षा का एहसास दिलाया गया।

ईंट भट्टा स्वामी को दी जान से मारने की धमकी,रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा-एटा में इशारा ईंट भट्टा स्वामी को दी जान से मारने की धमकी, सकीट के मौहल्ला गंज निवासी भट्टा स्वामी सुरेन्द्र सिंह भाजपा नेता/पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि गौतम सिंह के छोटे भाई को मिली है जान से मारने की धमकी, एफआईआर दर्ज,परिजनों में भारी दहशत, 15 लाख के लेनदेन को लेकर आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी, पूर्व में इनके भाई पूर्व चेयरमैन लोकमन सिंह की हो चुकी है हत्या,आरोपी जुगल किशोर लेवर ठेकेदार है इसने पीड़ित भट्टा ब्यवसाई से भट्टे की लेवर को लाने के लिए थे लगभग ढाई वर्ष पहले 15 लाख रुपये, आरोपी से रुपए वापस मांगने पर गाली गलोज कर जान से मारने की दे रहा है धमकी, आरोपी जुगल किशोर ने रुपये देने से किया मना, आरोपी जुगल किशोर पुत्र बाबू लाल महोबा जिले के खरेला थाना क्षेत्र के खरेला गांव का रहने वाला बताया जा रहा है, पीड़ित भट्टा स्वामी सुरेंद्र सिंह द्वारा थाना सकीट में आरोपी के खिलाफ कराई है एफआईआर दर्ज,पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी, थाना सकीट क्षेत्र के इशारा गांव के भट्टे का मामला।

कराटे मे मैडल प्राप्त करने वालो का सम्मान समारोह का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद मे तिकोना सब्जी मंडी स्थित पुष्कर कराटे एकेडमी संबंध नेशनल सो तो कान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया मैं जो कानपुर यूनिवर्सिटी छत्रपति शिवाजी शाहू महाराज में डिपार्टमेंट आप फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स के द्वारा राज्य स्तरि प्रतियोगिता कराई गई थी जिसमें इन छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था और मेडल प्राप्त कि यह बच्चे हैं उमंग तिवारी सिलबर माडल ,रिद्धि चतुर्वेदी सिल्वर ,पाखी सक्सेना गोल्ड ,चेतन सिंह बरौनज़े ,दीक्षा गौर बरौनज़े ,अस्वीक श्रीवास्तव बरौनज़े अवंतिका श्रीवास्तव सिलबर सौर्या प्रताप सिल्वर आदित्य कुमार गोल्ड ,आयुष राजपूत गोल्ड ,बैश्नवी चतुर्वेदी गोल्ड अर्पित भरद्वाज गोल्ड,सक्षम रस्तोगी सिल्वर और बरौनज़े ,आरव रस्तोगी गोल्ड और सिल्वर ,यस्सवी दिक्षित दोनो गोल्ड ,वेदांत रस्तोगी गोल्ड और बरौनज़े ,अमन वर्मा सिल्वर और बरौनज़े ,बिथ्थल बर्मा सिलबर एयर बरौनज़े ,पुष्कर पुष्कर भारद्वाज ने सिल्वर इन मेडल प्राप्त करता छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन अकैडमी में किया जा रहा है इस प्रतियोगीता मे अकादमी के तीन छत्र अमन वर्मा ,पुष्कर भरद्वाज,और बिथ्ठल वर्मा ने ओपन खेल कर अपने जिले का नाम रोशन किया जीसमें मुख्य अतिथि श्रीमती बस चला अग्रवाल चेयरमैन फर्रुखाबाद और मनोज अग्रवाल है पूर्व चेयरमैन फर्रुखाबाद हैं जिनके द्वारा इन छत्र छात्राओ का सम्मान किया गया और फिर इसके बाद कोच सेनसेई पारस भारद्वाज मे एक एक स्मृति चिन्य देकर अतिथियो का सम्मान किया और बिसिस्ट अतिथि संजीव कटियार , ठाकुर सरवन्देर सिंह ,सोनू ठाकुर ,ला ल जी सक्सेना रहे इन्होने सभी छात्र छात्राओं का सम्मान किया और उनका हौसला बढाया मुख्य अतिथि वत्सला अग्रवाल जी ने कहा की यह इन बच्चो को मैं शुभकामनाएं देती हुँ जिन्होने अपनी जिले का नाम इस प्रतियोगीता रोशन किया और खाश तौर पर इनके कोच सेनसेई पारस भारद्वाज और सेनसेई आरति भारद्वाज को देती हुँ जिनके द्वारा ही ऐसा सम्भंब हुआ है जिसके कारण येह बच्चे नेशनल और इंटरनेशनल पर भी अपने जिले नाम रोशन कर चुके उन्होने कहा की आज के समय मे छात्राओ के लिये तो कराटे शिख्ना बहुत जरूरी है क्युंकि हर समय इनके भई या माता पिता के साथ नही होते है जिससे यह लोग अपनी और अपनो की सहयता कर सकते हैं इसलिये मैं तो कहूँगी की हर बच्चे को कराटे सिख्ना चाहिये अध्यक्ष संजीव कटियार जी ने कहा येह बच्चे कई बार अपने जिले का नाम रोशन कर चुके हैं और ने बच्चो को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दि ताकी येह आगे भी अपने जिले का नाम रोशन कर सेक इन्होने कहा की मैं इनके कोच सेनसेई पारस भारद्वाज को एक बार फिर शुभकामनाएं देता हुँ जिनके द्वारा अपने जिले नाम येह बच्चे करते हैं।

कच्ची शराब बनाने के कारखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा है वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-अलीगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव का बताया जा रहा है ये वायरल वीडियो, टपुआ सहित अन्य कई और गावों में चोरी छिपे जंगल और खेतों में अभी भी बन रही कच्ची शराब, जिले के अलीगंज क्षेत्र में कच्ची शराब बनाने का कारोबार जोरों पर, जबकि अलीगंज क्षेत्र में 2016 में कच्ची शराब पीने से हो चुकी है 2 दर्जन से ज्यादा लोगों की अकाल मौतें, कच्ची शराब बनाने वालों को नहीं है पुलिस का कोई खौफ, थाना अलीगंज के कई गांवों में कच्ची शराब बनाने का चलता है कारोबार, थाना अलीगंज क्षेत्र के फतेहपुर गांव का बताया जा रहा है ये कच्ची शराब बनाने के कारखाने के वायरल वीडियो का मामला।

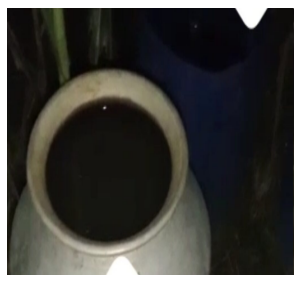

सुबह से रुक-रुक कर बरसात से किसानों के खिले चेहरे इंद्रदेव को दिया धन्यवाद

क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - श्रावस्ती में आज सुबह से रुक-रुक कर बरसात हो रही है जहां 1 महीने से लगभग किसान सूखे की मार झेल रहे थे बहुत ही ज्यादा परेशान थे धान की फसल को लेकर के उन्होंने अपनी जो पूंजी अपने खेतों में लड़ाई थी उसके लिए किसान लगातार चिंतित थे लेकिन इंद्रदेव ने आज उनकी फरियाद सुन ली विकासखंड हरिहरपुर रानी विकासखंड जमुना विकासखंड सिरसिया विकासखंड गिलौला के किसानों के चेहरे पर आज खुशी दिखाई दी सभी किसान इंद्र देव को धन्यवाद दे रहे है

सशस्त्र सीमा बल ने नेपाल भारत बॉर्डर पर किया गश्त

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - सशस्त्र सीमा बल 62 वीं वाहिनी के कमांडेंट रविंद्र कुमार राजेश्वरी के निर्देशानुसार एफ समवाय सोनपथरी के कार्य क्षेत्र में आने वाले सीमा स्तम्भ संख्या 618, 618/1 पर नेपाल के साथ संयुक्त गश्त का आयोजन किया जिसमे स्सक की तरफ से सहायक उप निरीक्षक देबाशीष मजुमदार ,आरक्षी समान्य महेश कुमार आरक्षी सामान्य एम. टी अलाहदी, सक्सेना महेश, तरसेम सिंह, नेपाल की तरफ से मख्यआरक्षी रामनाथ राणा, मुख्य आरक्षी गणेश बोहरा, आरक्षी परषोतम,शामिल थे गश्त का उद्देश्य सीमा स्तम्भ की सुरक्षा करना है तथा अवैध गतिविधियों को रोकना है

सांसद मुकेश राजपूत ने एक्सप्रेसवे (ग्रीन कोरिडोर) को लेकर सफाई दी कि लोग भ्रान्तियां फैला रहे है

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत ने एक्सप्रेसवे (ग्रीन कोरिडोर) को लेकर सफाई दी कि लोग भ्रान्तियां फैला रहे है कि मैनपुरी से होकर गुजरेगा बोले हम कह रहे है फर्रुखाबाद से ही निकलेगा हमारी भारत सरकार के दो दो मंत्रियो से बात हुई है अभी सर्वे चल रहा है सर्वे लखनऊ भी नहीं पंहुचा है. मुकेश राजपूत ने बिना नाम लिए पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद पर हमला किया कि बड़े नेता है, प्रधानमंत्री के काफी नजदीक रहे लेकिन कभी कुछ किया नहीं दिल्ली के लिए एक मात्र कालिंदरी एक्सप्रेस थी वो भी साल मे 9 महीने चलती थी अब 2014 के बाद साल मे 12 दिन भी बंद नहीं रहती पूरे 12 महीने चलती है. वो बड़े नेता रहे है कभी ट्रेन से चले हो तो लोगों कि परेशानी समझें।

इप्टिदा ग्राउंड में 16 टीमो का क्रिकेट टूनामेंट कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बख्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद मे समाजवादी अल्पसंख्यक सभा महानगर अध्यक्ष कमल बाबू के नेतृत में मऊदरवाजा इप्टिदा ग्राउंड में 16 टीमो का क्रिकेट टूनामेंट कराया गया दोनों ही आयोजको ने एक सफल टूर्नामेंट का आयोजन किया 16 टीमो के खिलाड़ियों ने अपनी अपनी प्रतिभा और मेहनत से दर्शकों का मन मोह लिया 16 टीमो के इस टूर्नामेंट में मोहल्ला खतकपुर व मोहल्ला गड़ी की टीमें फाइनल में पहुँची और दोनों टीमो ने अपना अपना प्रदर्शन दिखाया जिसमे प्रथम पारी में मोहल्ला गड़ी टीम ने 7 ओवर में 71 रनों की पारी खेली वही खटकपुरा टीम ने दूसरी पारी में 46 रन ही वना सकी टूनामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में युवा व्यापार मंडल प्रदेश मंत्री अंकुर श्रीवास्तव मौजूद रहे और दोनों ही टीमो को एक अच्छे प्रदर्शन के लिए बधाई दी टूर्नामेंट आयोजको ने दोनों ही टीमो के कप्तान को

ट्राफी देकर बधाई दी तथा प्रत्येक खिलाड़ी को वाटरकूलर व हॉटपॉट वितरित कर बधाई दी इस दौरान मोहिव अख्तर, अरशद अली ,अब्दुल रज्जाक ,आफताब अली, नईम खान ,इंतिखाब ,पुन्ना भाई ,आदि लोग मौजूद रहे

वर्षा से दो मकान गिरे एक की मौत 6 घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-जनपद में पिछली रात हो रही लगातार बारिश से. लोगों की मुसीबतें खड़ी है. थाना निधौली कला एवं बागवाला क्षेत्र के अंतर्गत दो मकान गिरने से 7 लोग घायल हुए हैं जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई है. प्राप्त समाचार के अनुसार जनपद एटा में विगत रात से हो रही लगातार बारिश से. थाना बागवाला क्षेत्र के ग्राम जीसुखपुर में. एक मकान गिरने से 3 लोग घायल हुए हैं. यह सभी मकान के मलबे में दबकर घायल हुए जिन्हें ग्रामीणों और पुलिस की मदद से निकाला गया तथा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं दूसरी ओर जनपद. के थाना निधौली कला के अंतर्गत ग्राम नगला खिल्ली में एक मकान गिरने से एक महिला सहित. 4 लोग घायल हुए जिसमें एक 7 वर्षीय बच्ची की जिला अस्पताल में मौत हो गई. बताया जाता है यह मकान सुबह गिरा जिसमें सभी घर के लोग अंदर बैठे हुए थे और बच्चे अपनी दादी के पास खेल रहे थे तभी मकान का लेंटर भरभरा कर गिर गया. जिसमें यह सभी लोग घायल हुए. ग्रामीणों की मदद से उन्हें घायलों को बाहर निकाला गया तथा पुलिस को इतना दी गई पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक 7 वर्षीय बालिका को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का परीक्षण कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है वहीं उच्च अधिकारियों ने इस संबंध में बताया कि. पीड़ित परिवार को शासन की ओर से निर्धारित मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा

जनपद एटा में देखें नशेड़ी सिपाही के कर्मकांड

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-जनपद में पुलिसकर्मियों के हालात ऐसे जिन्हें ना वर्दी का ख्याल ना ही फर्ज का रेड एलर्ट में नशे में धुत होकर पहुँचे सिपाही ने किया तांडव। वर्दी में सिपाही नशे में इतना धुत था कि उसे ना वर्दी ना फर्ज दिखाही नहीं दे रहा था। वर्दी की हनक दिखा कर लोगों डराने का प्रयास करता रहा।

जबकि नशे में धुत सिपाही स्वम से संभल कर चलने में असमर्थ दिख रहा था। किंतु नशे का शुरुर वर्दी का गुरुर हैं जो सर से उतरने का नाम ही नहीं ले रहा हैं। ना अधिकारियों डर ना सरकार ख़ौफ़ हैं। नशे बाज पुलिस कर्मियों में देखना हैं कि जनपद के मुखिया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह द्वारा ऐसे नशेड़ी सिपाही के विरुद्ध क्या कार्यवाही करते हैं। या नहीं। ऐसे नशेड़ी सिपाही जनपद पुलिस की छवि धूमिल करते ही हैं। साथ में सारी यूपी पुलिस की किरकिरी करते दिखाई देते हैं। जनता के रक्षक ही इस तरह नशे में धुत होंगें तो जनता के साथ न्याय क्या खाक करेंगें। नशेड़ी सिपाही की हरकतों को देख आमजनता मख़ौल जरूर उड़ाती हैं। साथ पुलिस के प्रति बनी आस्था एवं छवि को धूमिल करते हैं। देखना हैं। कि शासन एवं प्रशासन इस नशेड़ी सिपाही के विरुद्ध कार्यवाही करती भी हैं। इनका साथ देकर उत्साह वर्धन करती हैं। आने बाले समय पर निर्भर करता हैं।

अरोड़ा ने लुधियाना स्टेशन को पहले चरण में लेने के लिए रेल मंत्री को दिया धन्यवाद

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना -क्कआप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत स्टेशन योजना के तहत लुधियाना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना के वर्चुअल शिलान्यास समारोह में शामिल हुए। फिरोजपुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) संजय साहू ने उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया था। लुधियाना रेलवे स्टेशन देश भर के कुल 508 रेलवे स्टेशनों में से एक था, जिसका आज प्रधानमंत्री ने अमृत स्टेशन योजना के तहत वर्चुअल उद्घाटन किया। इन सभी रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा, जिससे भारत में रेल बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, अरोड़ा ने कहा कि लुधियाना से सांसद बनने के बाद, उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और उनसे लुधियाना में मौजूदा रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण करने का अनुरोध किया, जिसे अंग्रेजों द्वारा स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री ने उन्हें बताया कि लुधियाना और देश भर के कुछ अन्य रेलवे स्टेशनों का दो चरणों में पुनर्विकास किया जाना है। तब उन्होंने रेल मंत्री से पुनर्विकास के प्रथम चरण में लुधियाना को शामिल करने का अनुरोध किया। अरोड़ा ने कहा, ्रमेरा अनुरोध स्वीकार करने और लुधियाना रेलवे स्टेशन के विकास का काम शुरू करने के लिए मैं रेल मंत्री का आभारी हूं, जो उस समय की सख्त जरूरत थी।्र अरोड़ा ने आगे कहा कि यह वास्तव में लुधियाना के लिए गर्व का क्षण है कि फिरोजपुर डिवीजन में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास पर खर्च की जा रही कुल 17 स्टेशनों पर लगभग 1100 करोड़ रुपये की राशि में से लगभग 500 करोड़ रुपये की राशि लुधियाना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास पर खर्च की जा रही है। टेशन पर अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें डीआरएम संजय साहू ने बताया था कि लुधियाना रेलवे स्टेशन 2025 तक पूरा हो जाएगा। अरोड़ा ने कहा, ्रलेकिन, मैंने उन से व्यापक जनहित में लुधियाना रेलवे स्टेशन को 2024 तक मुकम्मल करने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पंजाब के 22 और देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का किया शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए पंजाब के 22 और देश के 508 रेलवे स्टेशन का शिलान्यास करने को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान की अध्यक्षता में लुधियाना रेलवे स्टेशन पर एक समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश कैंथ,,पंजाब भाजपा के महासचिव जीवन गुप्ता,कोष्याध्यक्ष गुरदेव शर्मा देवी,मुख्य प्रवक्ता अनिल सरीन,गुरदीप सिंह गोशा,व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सरपाल, प्रवीन बंसल, नरेंद्र सिंह मल्ली, प्रेस सचिव डा.सतीश कुमार, रेलवे के अधिकारियों में एस.के.पांडे, अशोक सलारिया,अमरीक सिंह,सचिन गोयल, दिवाकर सिंह, अशोक थापर समारोह में विशेष रूप से उपस्थित हुए। वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए पीएम मोदी ने रिमोट दबाकर शुभारंभ किया। पीएम मोदी के रिमोट की बटन दबाते ही तालियां गूंजने लगीं।पीएम मोदी ने कहा कि विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है। नई ऊर्जा, प्रेरणा, संकल्प है। भारत के करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे और उनका पुनर्विकास आधुनिकता के साथ होगा पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया की दृष्टि भारत पर है। वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है, भारत को लेकर दुनिया का रवैया बदला है। समारोह में खुशी प्रकट करते हुए सोम प्रकाश ने कहा कि लुधियाना एक औद्योगिक शहर है, जिसके चलते देश व विदेश से यहाँ पर्यटकों सहित उद्योगपतियों व व्यापारियों का आना-जाना लगा रहता है। इन सब को ध्यान में रखते हुए केंद्र की मोदी जी की सरकार ने रेलवे की इस योजना में लुधियाना स्टेशन को रख कर पंजाब व खास कर लुधियाना के विकास में एक नया अध्याय लिखा है।जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा लुधियाना रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण के लिए 460 करोड़ रुपए जारी करने से लुधियाना के विकास को और गति मिलगी और पंजाब की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

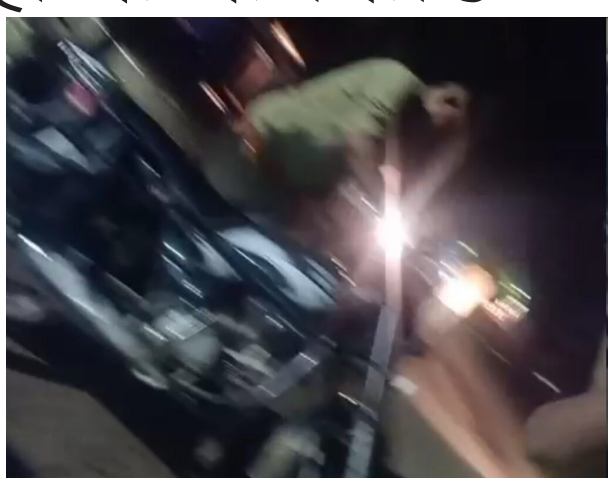

सीपीआई हिंसाग्रस्त हरियाणा में एक प्रतिनिधिमंडल के दौरे से जमीनी हकीकत आई सामने

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - लुधियाना - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। क्षेत्र में ध्रुवीकरण और नफरत के चिंताजनक स्तर का खुलासा हुआ है। जानबूझकर क्षेत्र में संघर्ष को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। एक चौंकाने वाला पत्र प्रतिनिधिमंडल को हरियाणा के जिला रेवाड़ी के दाहना ब्लॉक की जैनाबाद पंचायत के सरपंच का लेटरहेड मिला है, जिसने इस कड़वी सच्चाई को उजागर किया है कि भाजपा शासन अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यवस्थित रूप से भेदभाव कर रहा है। पत्र का मजमून चौंकाने वाला है. इसे स्थानीय पुलिस अधिकारियों को यह निर्णय लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि मुसलमानों या शरारती तत्वों को पंचायत क्षेत्र में व्यवसाय या फेरीवाला गतिविधियों को अंजाम देने की अनुमति न दी जाए। मुसलमानों की उपस्थिति को सांप्रदायिक अशांति का एकमात्र कारण बनाया जा रहा है। क्षेत्र से बड़े पैमाने पर पलायन को मजबूर होना पड़ रहा है। साम्प्रदायिक सौहार्द नफरत और विभाजन की राजनीति का शिकार हो रहा है। भाकपा प्रतिनिधिमंडल के हरियाणा के हिंसा प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान इको सिस्टम की बात सामने आई. पूरे क्षेत्र में नफरत और विभाजन की वृद्धि व्यवस्थित है। दोनों समुदायों में कलह के कृत्रिम बीज बोये जा रहे हैं। सीपीआई प्रतिनिधिमंडल जब तक समाज के सभी वर्ग एकत्र हुए, पुलिस ने उन्हें नूह सीमा पर रोक दिया।पुलिस द्वारा नूह के प्रवेश को रोकने पर सी.पी.आई. सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा, ्रसीपीआई प्रतिनिधिमंडल को पुलिस बल ने नोह, हरियाणा में प्रवेश करने से रोक दिया है। हमारा मकसद हिंसा पीड़ितों से मिलना और शांति की अपील करना था। डबल इंजन सरकार लोगों की खुली आवाजाही से भी डरती है। उनकी योजना चुनाव को मुख्य केंद्र में रखकर लोगों को निशाना बनाना और बांटना है। सीपीआई प्रतिनिधिमंडल में सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम, एटक महासचिव अमरजीत कौर, सीपीआई शामिल थे। सांसद पी.संदोष कुमार एवं सी.पी.आई हरियाणा सचिव दरियाउ सिंह कश्यप मौजूद रहे।

वार्ड नंबर एक में सावन महीने को ध्यान में रखते हुए कपूर परिवार ने पुड़ी चने का लंगर लगाया

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - वार्ड नंबर एक चंद्र नगर निवासी सोहन लाल कपूर परिवार ने भोलेनाथ के सबसे पसंदीदा महीने सावन में पुड़ी चने के लंगर की व्यवस्था की, जिसका उद्घाटन कपूर साहब ने पूर्व मंत्री और विधायक राकेश पांडे के हाथों किया।

इस मौके पर अमरजीत जीता, रिंकू सिद्धड, सतपाल मेहमी, भाटिया, बिंदराज कुमार, रेशम नाथ, संदीप संधू, देविंदर कुमार अरोड़ा, शिव सेना अध्यक्ष बसंत भोला और सैनी मौजूद रहे।

बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्य क्षेत्र बदले

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्य क्षेत्र बदले अनिल कुमार बीईओ शीतलपुर बनाए स्थानांतरण पर आए थान सिंह को अवागढ़ तथा नीलम को नगर क्षेत्र की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारी अवागढ़ अनिल कुमार को शीतलपुर का दायित्व सोपा स्थानांतरित होकर आए थान सिंह अवागढ़ के खंड शिक्षा अधिकारी होंगे श्रीमती नीलम को मुख्यालय सहित नगर क्षेत्र का खंड शिक्षा अधिकारी बनाया गया है।मारहरा खंड शिक्षा अधिकारी आरती के अवकाश पर होने के कारण उनके वापस लौटने तक थान सिंह मारहरा का भी अतिरिक्त प्रभार देखेंगे। हां बता दें कि जिले में रिक्त पदों की सापेक्ष दूसरे जिलों से 3 खंड शिक्षा अधिकारियों को एटा भेजा गया था। इनमें से थान सिंह तथा नीलम द्वारा जिले में जॉइनिंग कर लिया है जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों से तत्काल निर्धारित दायित्व स्थल पर पहुंचकर पदभार ग्रहण करने के दिये निर्देश

नरेंद्र मोदी ने दिखाया है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं है - गोशा

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आजादी के अमृतकाल मोहत्सव के दौरान 508 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन कर स्वर्णिम भारत की शुरुआत की। भारत में वर्ल्ड लेबल और एयरपोर्ट जैसे 25,000 करोड़ के बजट वाले रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन मोदी के हिस्से में आना भगवान का आशीर्वाद गुरदीप सिंह गोशा प्रवक्ता भाजपा पंजाब ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि आज पूरे देश में लोगों के लिए जश्न का माहौल है, वहा पंजाब में 1052 करोड़ बजट से वर्ल्ड लेबल पर 22 रेलवे स्टेशनों का निर्माण हो रहा है। यह पंजाब के लिए गर्व की बात है कि जो विरोधी कभी विरोध की राजनीति करते थे, उन्हें भी आज यह सोचना पर मजबूर होगे कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई मुकाबला नहीं है। देश के कई बडे नेता आये लेकिन किसी ने कभी ऐसा नहीं सोचा था।गरीब लोग, मध्यम वर्ग ट्रेन की सवारी करते है और देश का हर नागरिक रेलवे में सुरक्षित महसूस करता है, लेकिन भारत की ट्रेन पर हमेशा किसी ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब देश का हर नागरिक गर्व महसूस करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के बाद देश बदल रहा है, कभी वंदे भारत ट्रेन अब रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण दृढ़ संकल्प का परिणाम है। आने वाले समय में भारत बदल रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लिए एक मिसाल बनने जा रहा है। विश्व ही नहीं बल्कि पूरे ब्रह्मांड में तिरंगा फहराया जाएगा।

रबड़ फैक्ट्री चौकीदार को रोडवेज ने मारी टक्कर, मौके पर चौकीदार की हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बरेली फतेहगंज पश्चिमी - रबड़ फैक्ट्री चौकीदार को रोडवेज ने मारी जोरदार टक्कर मौके पर चौकीदार की हुई मौत। जानकारी के अनुसार आज सुबह नेशनल हाईवे माधौपुर फाटक के पास बने पुल पर आज रविवार सुबह लगभग 6 बजे रबर फैक्ट्री के (कर्मचारी) चौकीदार दीनदयाल कश्यप उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र लाखन रात की ड्यूटी करने के बाद सुबह अपनी साइकिल से अपने घर माधौपुर जा रहे थे। तभी पीछे से रोडवेज गाड़ी नंबर क्क79 ज्ञ 4811 औरेया बस डिपो ने चौकीदार दीनदयाल कश्यप के जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह उछल कर रोड़ पर पर गिर पड़े। जिससे उनके सीने और सर पर गंभीर चोटें आई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक दीनदयाल कश्यप की मौत की सूचना जब उनके घर पहुंची तो उनके घर में कोहराम मच गया। उसके बाद परिजन भागते रोते बिलखते रोड पर मौके पर पहुंचे। जब मृतक दीनदयाल की मौत इसकी सूचना ग्रामीणों को लगी तो सभी ग्रामीण मौके वारदात पर पहुंचे। तो हाईवे पर भीड़ जमा हो गई।

Do not depend on only one oil for cooking, try these best cooking oils

Best Cooking Oil To stay healthy only special care has to be taken of food. For this, it is not only important what you are eating but it also matters in which oil you cook the food. In this article, we will try to know in detail about which oil should be used for cooking. Many types of oils are used for cooking in Indian kitchen, these include mustard, sesame, coconut and many other types of oils. However, according to Ayurveda, there are certain oils which are best for cooking. An Ayurvedic expert has shared on his social media about the best oils for cooking as per Ayurveda. Let us know what she has to say. Oil is one of the most essential ingredients for cooking. While people generally use mustard and refined oil for cooking, those who follow a weight loss diet avoid the use of such oils. Instead they use olive oil and other types of cooking oil. Which is the best oil for cooking? Sesame oil - The pungency in this oil is quite pungent, due to which sesame oil is considered best for the absorption of nutrients. Mustard oil - Mustard oil is extremely hot in nature and is good for diabetes patients. However, people suffering from psoriasis, eczema and other ailments should avoid using mustard oil for cooking. Coconut oil - If you exercise a lot and get tired quickly, then use coconut oil. The soothing effects present in it are quite beneficial and are good for people suffering from gastric problems. If you are trying to lose weight then this oil will not work. Ghee - It is the best medium for cooking and ghee also enhances digestion power. It nourishes the blood, muscles, bones and reproductive tissues. If you have severe digestive problems and liver disease, you should reduce the intake of ghee. Groundnut oil - If you have good digestion, then groundnut oil can be consumed. Peanut oil can be aggravating vata; Therefore, if you have any problem related to digestion, then use it sparingly. Refined Vegetable Oil - Oils like canola, safflower, sunflower come in refined oil and can be used for cooking. Olive oil - Olive oil is great for drizzling on salads, not just for regular cooking and frying.

Consume this fruit on an empty stomach and get rid of stomach problems along with glowing skin.

Benefits of amla Amla is a very beneficial fruit, from which you can get rid of many diseases, especially when you eat it on an empty stomach. By eating it on an empty stomach in the morning, problems related to digestion are removed, immunity is strong and most importantly, the glow of the face increases and its effect is also visible on the hair. Amla is such a fruit with astringency in taste, by eating which we can keep our skin and hair healthy along with health. Amla contains many nutritions, such as Vitamin C, iron, potassium, calcium, flavonoids etc. It also contains antioxidants, which protect your body from damage caused by free radicals. Apart from eating it raw, you can also eat it in the form of pickle, chutney, marmalade, but the most benefit is by eating it on an empty stomach in the morning. Benefits of eating amla on an empty stomach 1. Increases Immunity - By eating Amla on an empty stomach in the morning, the dirt present in the body gets removed easily. It contains Vitamin C, which acts as an anti-oxidant, which increases immunity. Its use reduces the chances of infection to a great extent. 2. Digestive system remains correct - A good amount of fiber is also present in Amla. Due to which digestion remains correct, there is no problem of constipation. Consuming it on an empty stomach gives you natural laxative properties, due to which all the toxins accumulated in the body get flushed out. 3. Helpful in diabetes- Consuming amla on an empty stomach is also very beneficial for diabetes patients. Chromium is found in it, which keeps the up-and-down blood sugar under control. Consuming gooseberry daily increases insulin sensitivity. Amla contains polyphenols which protect you from oxidative stress and make diabetes easier to manage. 4. Beneficial for skin and hair - If the quality of your hair is continuously deteriorating. If the breakage continues, then consume Amla to remove all these problems. Apart from this, if there is no glow on your face. Stains and spots have also troubled you a lot, so to get rid of them, eat gooseberry on an empty stomach. The vitamin C content of amla is beneficial in protecting the skin from damage caused by free radicals.

Celebrate India's independence at these places, the sacrifice of the martyrs will be remembered

15 August is considered to be the proudest day in the history of India. On this day the country was freed from the slavery of the British rule. The country and the countrymen who were bound in the chains of slavery of the British for centuries, have suffered a lot. Due to being a slave in their own country, being deprived of their rights, anger arose among the countrymen and they lit the flame of the freedom struggle. An attempt was made to crush the voices raised for the demand of independence, in which thousands and lakhs of revolutionaries shed blood. Many freedom fighters became martyrs. However, in the end the British had to leave India and the power of the country came into the hands of the countrymen. To celebrate this victory as a world, Independence Day is celebrated every year on 15th August. On this occasion, people remember the brave sons who fought for freedom, along with the hoisting of the flag, salute is given to the freedom fighters. There is a public holiday on 15 August. On this holiday, you can visit such places with friends, family or children, which will increase the feeling of patriotism and double the celebration of independence. Here are the places to get you drenched in the spirit of patriotism. National Martyrs' Memorial, Delhi is on Tuesday, 15th August this year. In such a situation, only one day off is being given. If you do not have much time and do not want to spend much money, then you can visit such places in Delhi itself, which make you aware of the sacrifices of the brave sons. Flag hoisting and parade can be seen at the Red Fort in Delhi. At the same time, the National War Memorial near India Gate can be visited. Here one can pay tribute to the brave sons who died in the wars in 1947, 1962, 1971 and 1999. Jallianwala Bagh, Amritsar - Jallianwala Bagh in Amritsar will always be remembered in history for the dark day when the British opened fire on unarmed Indians. The remains of a painful massacre and the blood stains of innocent Indians are still visible on the walls here. A memorial has been built here in the name of hundreds of martyrs. Wagah Border, Amritsar Before independence, India and Pakistan were one, later it was divided into two countries. The conflict between the two countries has been going on since Independence Day, but on the occasion of Independence Day, there is coordination between the soldiers of the two countries at the Wagah border located in Amritsar. National Day is celebrated here every year. Chandrashekhar Azad Park, Prayagraj Freedom fighter Chandrashekhar Azad laid down his life for the freedom of the country. In 1931, Chandrashekhar Azad was fighting with British soldiers in Prayagraj. The British police surrounded him but Azad considered his own bullet better than being shot by the British. Chandrashekhar Azad became a martyr at the age of just 25. In his memory, a park was built at this place, which is known as Chandrashekhar Azad Park. There is a statue of Chandrashekhar Azad in the park.

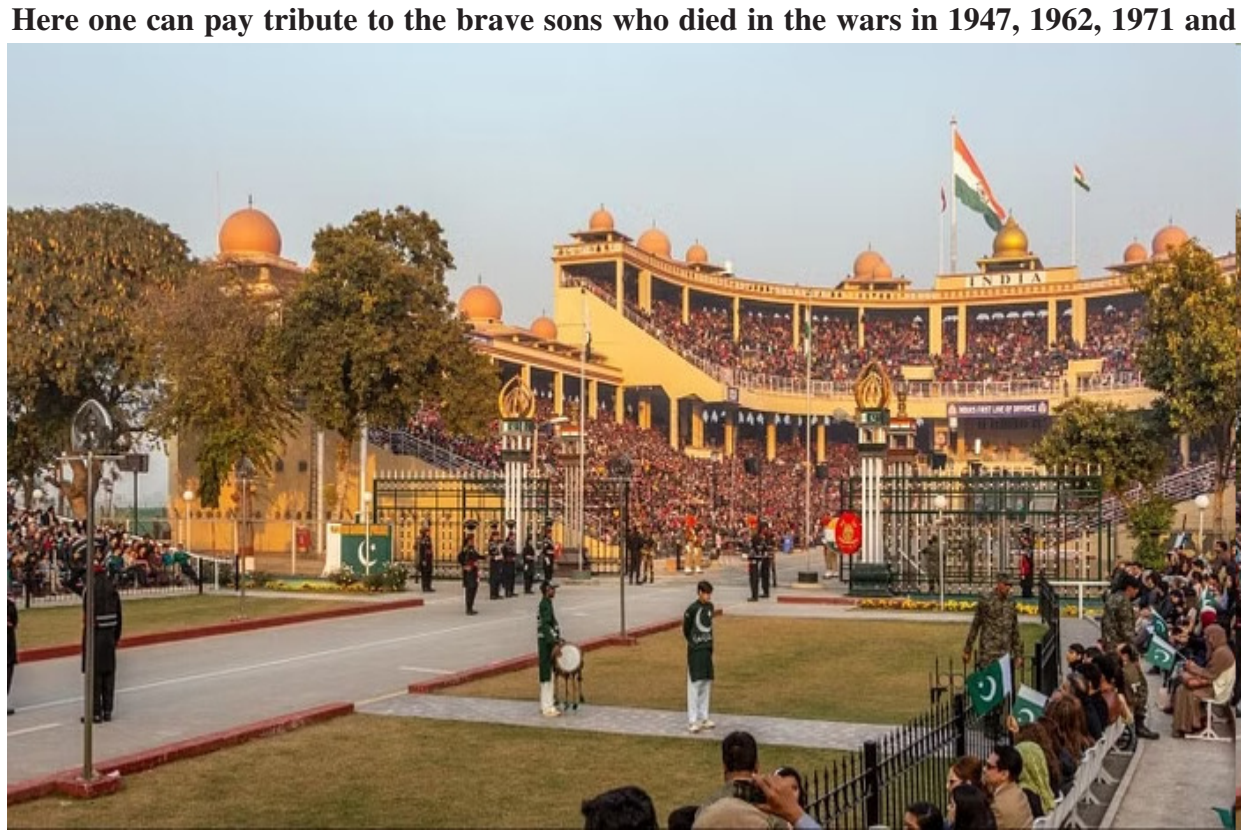

Suhana Khan did a glamorous photoshoot wearing a saree in the balcony of 'Mannat'

Suhana Khan Photos Suhana Khan, daughter of Bollywood actor Shah Rukh Khan, is an active social media user. She keeps sharing her pictures or videos every day. Recently, the actress has shared glamorous pictures of her latest photoshoot. As always, their pictures have taken over the internet. Let us show you the stunning photos of Suhana. Shah Rukh Khan's daughter Suhana Khan is one of the famous star kids. Suhana often comes in the limelight for her glamorous pictures. Recently, Suhana has done a photoshoot in the balcony of her bungalow Mannat, whose pictures have surfaced. Suhana was seen in a glamorous style at a friend's engagement - Anurag Kashyap's daughter Alia Kashyap's engagement ceremony host in Mumbai on 3 August 2023 was done, where many celebrities of B-Town reached. Suhana Khan also reached this function. Suhana arrived at the party wearing a blue colored saree and

caught everyone's attention. Suhana did a photoshoot in Mannat's balcony - Now Suhana Khan has shared the pictures of her photoshoot. Suhana, who is making her debut with 'The Archies', has got a photoshoot done in the balcony of her palace Mannat from the engagement ceremony. In the photos, Suhana is seen spreading her mesmerizing expressions. Suhana Khan wore a blue color custom-made mirror work saree, which the actress paired with a strappy blouse. She styled her look with a blue bindi and golden earrings. Suhana was looking very gorgeous in minimal makeup and open hair. Shanaya Kapoor caught the eye of Suhana! - Fans are showering love on these pictures of Suhana Khan. Even celebs are pouring in their praises. Shweta Bachchan commented, 'Beautiful girl.' Navya Naveli Nanda wrote, 'Beautiful.' Suhana's best friend Shanaya Kapoor has also shared Nazarbattu's emoji. When will Suhana Khan's 'The Archies' release? Have been This movie is releasing on Netflix on 24 November 2023. Recently, Zoya has released different posters of the film's cast on social media, which is being well received. Suhana will be seen playing the role of Veronica in the movie.

Ileana D'cruz's house echoed, shared the son's photo and told the unique name

Bollywood actress Ileana D'Cruz is making headlines for her pregnancy. The actress has been sharing beautiful pictures on social media since her pregnancy. Bollywood actress Ileana D'Cruz is making a lot of headlines about her pregnancy. The actress has been sharing beautiful pictures on social media since announcing her pregnancy. Recently, the actress had shared her pictures on her Instagram, in which she has narrated her condition. Along with this, she has also told why she is not able to work now. Now recently, there is good news for Ileana's fans that a son has been born in their house. Ileana became a mother- Ileana has also shown the photo of her little prince to the whole world. Along with this, he has also told the name of the son. Ileana has named the son Koa Phoenix Dolan. Fans are congratulating the actress a lot on social media. At the same time, many Bollywood

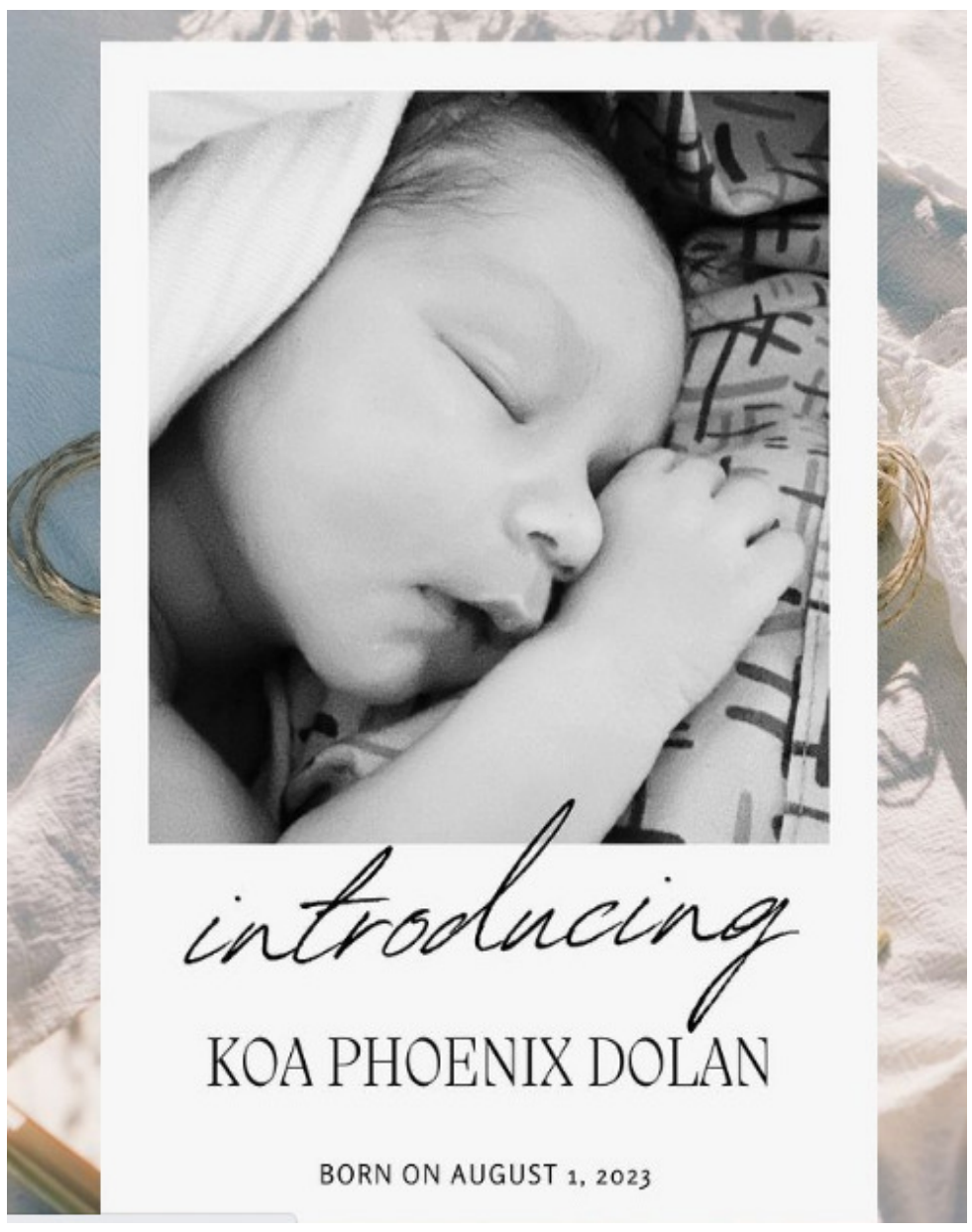

celebs are also congratulating the actress for becoming a mother. Ileana has shared a black and white photo of the son. Along with this, he has also given the date of birth of the child. Ileana told that she gave birth to a son on August 1, 2023. Share's son's picture- Ileana wrote in the caption with this photo, 'We cannot express in words that welcoming our son into this world We are feeling so happy. Our heart is full.' Comments on the post of the actress are increasing. Within minutes, thousands of people have congratulated Ileana. One user said, 'Best wishes for this new journey Ileana.' Another user wrote, 'Not everyone gets the fortune of becoming a mother. Many congratulations to you, Ileana. He has come, I like him. It's been such a miracle, wonderful and lovely journey and yes, I am human and there are days when I don't feel well, but I have such wonderful support and people who love me and remind me That I am creating a little person inside me. So weight doesn't matter and stay happy and healthy, listen to your body and do what feels right.'

'I never used my StarKid card to get a job', says Shriya on nepotism

Shriya recently fulfilled her dream of taking her parents on a trip to Maldives. The actress recently shared things related to her career. Along with this, a big statement has also been given regarding nepotism. Shriya, daughter of acting veterans Sachin and Supriya Pilgaonkar, has carved a niche for herself in the industry. Taking no help from her parents, the actress has won appreciation from the audience for her work in films and OTT. Shriya recently fulfilled her dream of taking her parents on a trip to Maldives. The actress recently shared things related to her career.

Along with this, she has also made a big statement about nepotism. She has shown her acting prowess in these web series - After winning hearts with her performance in OTT series like 'Guilty Minds' and 'The Broken News', Shriya has recently made her debut in OTT. Has once again entertained the audience with the film 'Ishq-e-Nadaan'. Now recently, the actress has spoken about her OTT success, recent travels with parents Sachin and Supriya Pilgaonkar and the perks of being a star kid, among other things.

Shriya didn't play the star kid card- actress Said in his recent interview, 'I don't think I have ever used Star Kid Card to get work. For me my journey has largely been to my level. To be honest, when you come from a family of stars, it becomes more difficult for you to prove yourself in the industry. My parents have helped me understand acting and have always been there to support me emotionally.

It is not my fault that I was born in a star's house, but I can definitely prove myself with my acting." Making an identity has always been my decision and I am also working hard to prove myself. I know that my parents are always there and apart from their support, I only need the support of the audience.